

सोडियम वैपर लैंप कठोर कांच की

बनी हुई है। आकार की एक बिसर्जन नालिका के दोनों तिरों पर धातु के आक्साइड लैपित तन्तु लगे होते हैं जो गर्म होने पर इलेक्ट्रॉन उत्सर्जित करते हैं। बिसर्जन स्थूब में कम दाबाव पर थोड़ी निआन गैज तथा कुछ सोडियम धातु का पूर्ण धारा होता है। समान्य ताप पर सोडियम होल होने के कारण नालिका की आन्तक सतह पर जमा रहता है। बिसर्जन नालिका का निर्माण कठोर कांच तथा इसकी आन्तक सतह पर विशेष पदार्थ का लैंप कोल को निया जाता है ताकि नालिका गर्म वाष्पित सोडियम के प्रसार को सुगमता से सहन कर सकें।